University in News on 09 December 2020

HINDUSTAN PAGE 7

चुनाव में लड़कियों से अक्सर वोट मांगते थे

लखनऊ विश्वविद्यालय 100 कुछ यादें कुछ किस्से (19)

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय

हबीबुल्लाह छात्रावास के कमरा नम्बर 89 में रहते थे। तीन कमरे पहले 86 नम्बर में ज्ञानेन्द्र सिंह ज्ञानू रहते। नीचे ओंकार भारती बाबा रहते। यह सभी उस दौर के बड़े छात्रनेता थे। लेकिन, अभी सुनने में नहीं आया कि पढ़ने वाले किसी छात्र को इन लोगों ने परेशान किया होगा। छात्रावास में पढ़ने वाले छात्र अलग होते थे। छात्रसंघ चुनाव के दौरान चाहें ज्ञानू रहे हो या ओंकार भारती बाबा हो, हम लोगों से अपना प्रचार करने के लिए अनुरोध करते थे। पूछते थे, कोई क्लास तो नहीं है। खाली समय में एक-दो डिपार्टमेंट में चलने के लिए कहते। इनके लिए लड़कियों से वोट मांगने की जिम्मेदारी तो हमारी ही हुआ करती थी।

1986 में बीए में दाखिला लिया। हरदोई से आया था। हिंदी मीडियम से था, तो छोटे शहर से बड़े शहर और अंग्रेजी का एक डर रहा। दर्शनशास्त्र की ज्यादातर किताबें अंग्रेजी में ही थी। इस कमजोरी के आगे झुकने के बजाए लड़ने का फैसला लिया। सीनियर्स से बात की। उनकी सलाह पर अंग्रेजी के नोवल और अखबार को पढ़ना शुरू किया। सुबह 11.30 बजे से क्लास होती थी। नियम से सुबह 10.30 बजे तक टैगोर लाइब्रेरी जाकर बैठ जाते। छात्रावास वाले जीवन में जेब में पैसे भी नहीं थे तो लाइब्रेरी का भरपूर इस्तेमाल किया। 10 साल यानी 1996 तक विश्वविद्यालय में रहा। इस दौरान तीन क्लास नियमित रूप से की। पहली लाइब्रेरी में, दूसरी अपने विभाग में और तीसरी क्लास शाम को आईटी कॉलेज पर द्विवेदी जी की चाय हुआ करती थी। मुझे याद नहीं कि कभी उसे छोड़ा हो। छात्रावास एक अलग परिवार की तरह था। आज भी याद है 1986 के दौर में रामायण सीरियल आता था। उसे देखने के लिए हम लोगों ने 50-50 रुपये इकट्ठा करके टीवी खरीदा था। न तो वो दौर कभी भुलाया जा सकता है और न ही उस दौर के लोगों को। आज भी वो लखनऊ विश्वविद्यालय हमारे दिलों में बसा हुआ है।

-डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय, अपर निदेशक, परियोजना, माध्यमिक शिक्षा अभियान

आज से 12 दिसंबर तक जमा की जा सकेगी फीस

यूजी: फीस जमा न कर पाने वाले छात्रों को मौका

एलयू

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रवेश में सीट आवंटन के बाद दाखिला न ले पाने वाले छात्रों को एक और मौका दिया। ऐसे छूटे हुए अभ्यर्थियों को आगामी 12 दिसंबर तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कुछ अभ्यर्थी ऐसे हैं जिन्हें काउंसलिंग के चरण 2 में विश्वविद्यालय परिसर में सीट आवंटित की गई थी, लेकिन किसी कारणवश वे सीट की पुष्टि शुल्क का भुगतान करने में असमर्थ थे, और इसलिए उन्होंने शुल्क जमा करने के लिए अपना अनुरोध प्रस्तुत किया था। अभ्यर्थियों के हित में ऐसे अभ्यर्थियों को शुल्क जमा करने की अनुमति दी है। 9 दिसंबर, को सुबह 11 बजे से 12 दिसंबर की मध्यरात्रि तक जमा किया जा सकता है।

पीजी में परिसर के साथ कॉलेजों में भी दाखिले का विकल्प

पीजी प्रवेश में ऐसे विषय जिन में दाखिले सिर्फ विश्वविद्यालय में होने हैं, उनकी कट ऑफ लिस्ट जारी हो चुकी है। प्रवक्ता ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों की रैंक कटऑफ के अंदर आ रहा है, उनका शुल्क अनलॉक पोर्टल पर जमा किया जा सकता है। वहीं, ऐसे विषय जिनमें विश्वविद्यालय परिसर के साथ कॉलेजों में भी दाखिले का विकल्प उपलब्ध है, उनके लिए बुधवार से सीटों की उपलब्धता के आधार पर विकल्प भर सकेंगे। सुबह 11:00 बजे से अभ्यर्थी के लॉगिन पर उपलब्ध होंगे। अभ्यर्थी अपने लॉगिन पर आवंटन परिणाम देख सकते हैं और जिन्हें सीटें आवंटित की गई हैं, वे अपनी फीस अनलॉक पोर्टल पर जमा कर सकते हैं। जिन अभ्यर्थी को दूसरी या निचली वरीयता दी गई है, उनके पास अपग्रेड करने का विकल्प है। प्रथम आवंटन के लिए सीट पुष्टिकरण शुल्क समाप्त होने के बाद दूसरा / उन्नयन आवंटन किया जाएगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि परिसर में लंबे समय बाद मिले दोस्त तो खूब हुई बातें

विज्ञान संकाय के विद्यार्थी ज्यादा रहे, नए विद्यार्थी निहारते रहे परिसर

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को सामान्य क्लास के दूसरे दिन भी रौकन रही। हालांकि सोमवार के मुकाबले छात्र रहे, इसकी वजह कला और वाणिज्य संकाय की सामान्य कक्षाओं का सप्ताह में दो दिन संचालित होना है। दोनों संकाय की सामान्य क्लास मंगलवार को नहीं होनी थी, लेकिन लंबे समय बाद विद्यार्थी मंगलवार को भी दोस्तों से मिलने पहुंचे तो उनके बीच खूब बातें हुईं।

परिसर में अन्य जिलों से विद्यार्थियों के आने का सिलसिला जारी रहा। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर विद्यार्थियों की सामान्य क्लास के लिए खोल दिया गया है। कला और वाणिज्य संकाय ने बुधवार और शनिवार को कांटेक्ट क्लास के लिए टाइम टेबल घोषित किया है। ऑफलाइन के साथ ही ऑनलाइन क्लास भी चल रही हैं। मंगलवार को लविवि में विज्ञान संकाय के विद्यार्थी ज्यादा रहे। हालांकि बीकॉम और बीए के विद्यार्थी भी काफी संख्या में पहुंचे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में सामान्य कक्षाएं शुरु होने के साथ ही परिसर की रंगत लौटने लगी है।

यहां का छात्र होना गौरव की बात

मेरे लिए गौरव की बात है कि मैं सौ साल पुराने विवि की स्टूडेंट हूं। इसके बारे में बहुत कुछ सुना है। उम्मीद है कि यहां से शानदार कॅरियर बनाकर जाऊंगी। -आंशिका सिंह

लखनऊ विवि में अभी तक आना नहीं हुआ था। यहां के भवन और बाकी इंफ्रास्ट्रक्चर देखने का मौका मिला। आज इसे देखकर बहुत अच्छा लगा। -अर्पिता पांडेय

मैंने लविवि के शताब्दी समारोह में होने वाले इवेंट में भी भाग लिया था। उसी विवि के बारे में और जानने का मौका मिला। प्रयास रहेगा कि यहां की परंपरा को आगे बढ़ाऊं। -रिया वार्ष्णेय

कैंपस बहुत प्यारा है। यहां आकर वास्तव में लगा कि क्यों सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा हो रही थी। यहां से काफी विद्यार्थी निकले हैं जो इतना चर्चित हुए हैं। -फेयरी सुहैल

फर्रुखाबाद बाद लखनऊ से ज्यादा दूर नहीं है। सुना था कि लविवि परिसर पढ़ाई और अनुशासन दोनों में बहुत अच्छा है। पहले दिन यहां का माहौल बहुत अच्छा लगा। -अंकुल

लविवि के बारे में बहुत सुना है। यह भी सुना कि देश के पूर्व राष्ट्रपति भी यहीं के विद्यार्थी रहे हैं। परिसर तो बेहद खूबसूरत है। यहां का स्टूडेंट होने और गर्व का अनुभव हो रहा है। -उज्जवल

मैं देवरिया से हूं। यहां के बारे में बहुत सुना था। दाखिला लेने के बाद यहां का शताब्दी समारोह आयोजित हुआ। इंटरनेट पर इसकी खूब धूम रही। यहां आने का मौका मिला। सबसे अच्छी बात है कि अब मैं यहीं की विद्यार्थी हूं। -अमृता

सीएसआईआर-एनबीआरआई और लविवि साथ मिलकर करेंगे शोध

लखनऊ। लविवि और सीएसआईआर-एनबीआरआई अब एक साथ शोध करेंगे। दोनों के बीच बुधवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ लविवि की प्रो. मोनिशा बनर्जी, प्रो. अरविंद मोहन, प्रो. सुधीर मेहरोत्रा, डॉ. आशुतोष सिंह और सीएसआइआर-एनबीआरआई के डॉ. विवेक श्रीवास्तव मौजूद रहे।

पीजी पाठ्यक्रमों का आवंटन परिणाम आज

लखनऊ। लविवि में परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होने को है। परास्नातक स्तर के ऐसे पाठ्यक्रम जो लविवि परिसर के साथ ही कॉलेज में भी संचालित होते हैं, उनका आवंटन रिजल्ट बुधवार सुबह 11 बजे घोषित कर दिया जाएगा। अभ्यर्थी अपने लॉग इन में जाकर परिणाम देख सकते हैं। सीट आवंटन पाने वाले अभ्यर्थियों के पास अपग्रेड का मौका होगा। उन्हें सीट कन्फर्मेशन फीस जमा करनी होगी।

एनबीआरआई विशेषज्ञों के साथ शोध करेंगे छात्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनबीआरआई), लखनऊ के बीच मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस एमओयू से दोनों संस्थानों के छात्रों, अनुसंधान विद्वानों, वैज्ञानिकों और संकायों की भागीदारी के माध्यम से बहु-अंतर्विज्ञानी और बहु-अनुशासनात्मक अनुसंधान गतिविधियों को साझा, विशेषज्ञता और संसाधनों को साझा करने का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि इससे दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों और शोधार्थियों के स्तर पर होने वाले शोध कार्यों की गुणवत्ता में इजाफा होगा।

NBT PAGE 6

एलयू में 12 दिसंबर तक जमा करें फीस

■ एनबीटी, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएट काउंसलिंग के द्वितीय चरण में शामिल छात्र जो अपना शुल्क जमा नहीं कर पाए थे, वह 9 से 12 दिसंबर तक फीस सबमिट कर सकते हैं। अभ्यर्थियों के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुल्क जमा करने की अनुमति दी है। इसके अलावा पोस्ट ग्रेजुएट एडमिशन के सभी विषयों की कटऑफ लिस्ट वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। जिन अभ्यर्थियों की रैंक कटऑफ में है, उनका शुल्क UnLOC पोर्टल पर जमा किया जा सकता है।

एनबीआरआई और एलयू में समझौता

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) के बीच मंगलवार को बेहतर रिसर्च के लिए समझौता हुआ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि इस समझौते से बेहतर शोध की उम्मीद दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों और शोधार्थियों से कर सकते हैं। इस मौके पर डीन रिसर्च प्रो. मोनिशा बनर्जी, डीन अकैडमिक सेल प्रो. अरविंद मोहन और एनबीआरआई से डॉ. विवेक श्रीवास्तव के साथ प्रो. सुधीर मेहरोत्रा, डॉ. आशुतोष मौजूद रहे।

i-NEXT PAGE 4

यूजी में छात्रों को एक और चांस

12 दिसंबर तक जमा की जा सकेगी फीस

पीजी में स्टूडेंट्स को देना होगा कॉलेजों का भी विकल्प

CONCEPT PIC

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (8 Dec) : लखनऊ यूनिवर्सिटी के यूजी कोर्सेज में एडमिशन की सीट आवंटन के बाद भी कुछ खाली रह गई हैं. ऐसे में इन सीटों को भरने के लिए एलयू ने स्टूडेंट्स को एक और मौका दिया है. वह 12 दिसंबर तक फीस जमा कर सकते हैं.

स्टूडेंट्स हित में लिया फैसला

लखनऊ यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कुछ स्टूडेंट्स ऐसे हैं, जिन्हें काउंसिलिंग के दूसरे चरण में यूनिवर्सिटी परिसर में सीट आवंटित की गई थी, लेकिन किसी कारणवश वह सीट के लिए फीस का भुगतान करने में असमर्थ थे. उन्होंने फीस जमा करने के लिए अपना अनुरोध प्रस्तुत किया था. स्टूडेंट्स के हित को देखते हुए उन्हे फीस जमा करने की अनुमति दी गई है. वह 9 दिसंबर को सुबह 11 बजे से 12 दिसंबर की मध्यरात्रि तक फीस जमा कर सकते हैं.

लॉगिन पर उपलब्ध होगा विकल्प

पीजी एडमिशन में ऐसे विषय जिन में एडमिशन सिर्फ यूनिवर्सिटी में होने हैं, उनकी कटऑफ लिस्ट जारी हो चुकी है. प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जिन स्टूडेंट्स की रैंक कटऑफ के अंदर आ रही है, उनकी फीस अनलॉक पोर्टल पर जमा की जा सकती है. वही ऐसे विषय जिनमें यूनिवर्सिटी परिसर के साथ कॉलेजों में भी एडमिशन का विकल्प उपलब्ध है, वह बुधवार से सीटों की उपलब्धता के आधार पर विकल्प भर सकेंगे. विकल्प सुबह 11 बजे से स्टूडेंट्स के लॉगिन पर उपलब्ध होंगे. स्टूडेंट्स अपने लॉगिन पर आवंटन परिणाम देख सकते हैं. जिन्हें सीटें आवंटित की गई है, वे अपनी फीस अनलॉक पोर्टल पर जमा कर सकते हैं. जिन स्टूडेंट्स को दूसरी या निचली वरीयता दी गई है, उनके पास अपग्रेड करने का विकल्प है. प्रथम आवंटन को सीट पुष्टि कर फीस जमा होने के बाद दूसरा आवंटन किया जाएगा.

सीटों का विकल्प सुबह 11 बजे से स्टूडेंट्स के लॉगिन पर उपलब्ध होंगे. स्टूडेंट्स अपने लॉगिन पर आवंटन परिणाम देख सकते हैं.

वैज्ञानिक-औद्योगिक शोध को बढ़ावा

LUCKNOW (8 Dec): एलयू और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सीएसआइआर-एनबीआरआइ) के बीच मंगलवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए. कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने डीन प्रो. मोनिशा बनर्जी, प्रो. अरविंद मोहन की मौजूदगी में सीएसआइआर-एनबीआरआइ के डॉ. विवेक श्रीवास्तव के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए. प्रो. सुधीर मेहरोत्रा, डॉ. आशुतोष सिंह की मौजूदगी में हुए एमओयू से दोनों संस्थानों के बीच अनुसंधान गतिविधियों को साझा किया जाएगा. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि ज्ञापन से वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध को बढ़ावा मिलेगा और शोध की गुणवत्ता में बढ़ोतरी होगी.

PIONEER PAGE 4

एकेडमिक रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए एलयू व एनबीआरआई में अनुबन्ध

लखनऊ। एकेडमिक रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर.एनबीआरआई) के बीच एक अनुबन्ध पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। इस मौके पर विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय, प्रो मोनिशा बनर्जी डीन रिसर्च सेल लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रो अरविंद मोहन डीन अकादमिक सेल लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ विवेक श्रीवास्तव एनबीआरआई, प्रो सुधीर मेहरोत्रा विभागाध्यक्ष जीव रसायन विज्ञान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ आशुतोष सिंह अतिरिक्त डीन रिसर्च सेललखनऊ विश्वविद्यालय हस्ताक्षर करने के दौरान उपस्थित थे। एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थानों के छात्रों, अनुसंधान विद्वानों, वैज्ञानिकों और संकायों की भागीदारी के माध्यम से बहु.अंतर्विज्ञानी और बहु.अनुशासनात्मक अनुसंधान गतिविधियों को साझा करना, विशेषज्ञता और संसाधनों को साझा करना है।

एलयू में गर्भ संस्कार कोर्स की जल्द लगेंगी कक्षाएं

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल की पहल पर लखनऊ विश्वविद्यालय गर्भ संस्कार का कोर्स इस सत्र से शुरू करने वाली प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी बन गई है। इस कोर्स की कक्षाएं डिपार्टमेंट ऑफवीमेन स्टडीज के अंतर्गत जल्द शुरू होंगी। नई शिक्षा नीति के आधार पर सीबीसीएस सिस्टम आधारित इस कोर्स में इंटर्नशिप के भी मौके छात्रों को मिलेंगे। कोर्स कोआर्डिनेटर प्रो अर्चना शुक्ला ने बताया कि कोर्स को वेबसाइट पर भी अपलोड किया जा चुका है। पहले और दूसरे सेमेस्टर में 5-5 पेपर है, इसके अलावा 1 महीने की इंटर्नशिप भी होगी। इसके अलावा अभ्यर्थी मेटरनिटी सेंटर में कुछ घंटे की ट्रेनिंग भी करेंगे। उन्होंने कहा कि कोविड.19 के चलते इस कोर्स में थोड़ा सा विलंब हो गया है।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 7

LU का NBRI संग एमओयू

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनवीआरआई) के वीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, प्रो. मोनिशा वनर्जी (डीन, रिसर्च सेल, लखनऊ विश्वविद्यालय), प्रो. अरविंद मोहन (डीन, अकादमिक सेल, लखनऊ विश्वविद्यालय), डा. विवेक श्रीवास्तव, प्रो. सुधीर मेहरोत्रा (विभागाध्यक्ष, जीव रसायन विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय), डा. आशुतोष सिंह (अतिरिक्त डीन, रिसर्च सेल, लखनऊ विश्वविद्यालय) उपस्थित थे।

इस एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थानों के छात्रों, अनुसंधान विद्वानों, वैज्ञानिकों और संकायों की भागीदारी से वहु-अंतर्विज्ञानी और वहु-अनुशासनात्मक अनुसंधान गतिविधियों को साझा करना, विशेषज्ञता को साझा करना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राय ने कहा कि इस ज्ञापन से हम उच्च कोटी के शोध की उम्मीद दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों और शोधार्थियों से कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के पहले वीरवल साहनी, केजीएमयू समेत कई अन्य संस्थानों से भी एमओयू साइन किया जा चुका है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

सीएसआईआर व एनबीआरआई के बीच हुए हस्ताक्षर

लखनऊ। लविवि व औद्योगिक अनुसंधान परिषद राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान सीएस आईआर.एनबीआर आई लखनऊ के बीच आज एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रो आलोक कुमार राय कुलपति लविवि प्रो मोनिशा बनर्जी डीन, रिसर्च सेल, लविवि, प्रो अरविंद मोहन डीनए अकादमिक सेल, लविवि, डॉ विवेक श्रीवास्तव, प्रो सुधीर मेहरोत्रा विभागाध्यक्ष, जीव रसायन विज्ञान विभाग, लविवि, डॉ आशुतोष सिंह अतिरिक्त डीन, रिसर्च सेल, लविवि हस्ताक्षर करने के दौरान उपस्थित थे। विवि के कुलपति माननीय राय ने कहा कि इस ज्ञापन से हम उच्च कोटी के शोध की उम्मीद दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों और शोधार्थियों से कर सकते हैं।

अंडरग्रेजुएट काउंसलिंग: फीस का अंतिम दिन आज

लखनऊ। लविवि में कुछ अभ्यर्थी ऐसे हैं जिन्हें अंडरग्रेजुएट काउंसलिंग के चरण 2 में विवि परिसर में सीट आवंटित की गई थी, लेकिन किसी कारणवश वे 2 नवंबर, 2020 तक सीट की पुष्टि शुल्क का भुगतान करने में असमर्थ थे, और इसलिए उन्होंने शुल्क जमा करने के लिए अपना अनुरोध प्रस्तुत किया था। अभ्यर्थियों के हित में कुलपति ने ऐसे अभ्यर्थियों को शुल्क जमा करने की अनुमति दी है। शुल्क 9 दिसंबर, 2020 को सुबह 11 बजे से 12 दिसंबर, 2020 की मध्यरात्रि तक जमा किया जा सकता है। पोस्ट ग्रेजुएट एडमिशन में उन सभी विषयों की कटऑफ लिस्ट जिसमें विवि की वेबसाइट पर कोई विकल्प आवश्यक नहीं थे, अपलोड कर दिये गए हैं। जिन अभ्यर्थियों की रैंक कटऑफ के अंदर आ रहा है, उनका शुल्क पोर्टल पर जमा किया जा सकता है।

JAGRAN CITY PAGE III

वैज्ञानिक व औद्योगिक शोध को मिलेगा बढ़ावा

शोध के लिए हुए समझौते का पत्र दिखाते लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ● फोटो सौजन्य : लविवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सीएसआइआर-एनबीआरआइ) के बीच मंगलवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने डीन प्रो. मोनिशा बनर्जी, प्रो. अरविंद मोहन की मौजूदगी में सीएसआइआर-एनबीआरआइ के डॉ. विवेक श्रीवास्तव के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। प्रो. सुधीर मेहरोत्रा, डॉ. आशुतोष सिंह की मौजूदगी में हुए एमओयू से दोनों संस्थानों के बीच अनुसंधान गतिविधियों को साझा किया जाएगा। लविवि कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि ज्ञापन से वैज्ञानिक व औद्योगिक शोध को बढ़ावा मिलेगा और शोध की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।